Your Imagination, we Print...
JGP
JAY graphics & printers
COMMERCIAL PRINTERS
C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

GANDHINAGAR

पाटनगर उदय

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888

• वर्ष : 10 • अंक : 291 • दिनांक : 27-07-2026, MONDAY • पेज : 04 • मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'
दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये
सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय
403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.
अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेलवे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.
मोबाईल नं. : 93288 95485
email:- patnagaruday@gmail.com

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेलः patnagaruday@gmail.com

चीन सीमा से लगे 74 गांव घूमकर लौटे प्रतिभागियों से संवाद किया

PM मोदी बोले- आज का युवा देश की ऊर्जा :यही भविष्य बनाएगा

»नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के प्रतिभागियों से बातचीत कर रहे हैं। देशभर के 403 युवा भारत के बॉर्डर एरिया में बसे 74 गांव घूमकर लौटे हैं।

चर्चा के दौरान पीएम ने कहा- जब सीमा का गांव समृद्ध होता है, तब राष्ट्र की सुरक्षा भी मजबूत होती है और विकास भी।

पीएम ने ने युवाओं को संदेश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में उनकी भागीदारी ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगी। यही इस इवेंट का मूल मंत्र है। इस इवेंट का मकसद बॉर्डर एरिया पर बसे गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है, ताकि युवाओं को भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे क्षेत्रों की सामाजिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक महत्व समझाया जा सके।

वाइब्रेंट विलेज इवेंट माय भारत के जरिए आयोजित किया गया था। पीएम मोदी ने कहा था कि देश के बॉर्डर एरिया में बसे गांव सबसे आखिरी नहीं बल्कि पहले गांव हैं। इस साल का विकसित वाइब्रेंट विलेज इवेंट 4 जून से 30 जून तक दो फेज में किया गया था। इसके तहत लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट बॉर्डर गांवों को शामिल किया गया। देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 से ज्यादा युवाओं का चयन नेशनल लेवल पर ऑनलाइन क्विज के जरिए हुआ था। इसमें तीन लाख से ज्यादा ने भाग लिया था मोदी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा- आप सभी कम से कम 100 युवाओं को अपने अनुभव शेयर कीजिए। कोई तस्वीर या वीडियो ली उसे सोशल मीडिया पर शेयर करें। वहां कोई लोकल प्रोडक्ट देखा हो तो उसे अपने इलाके में कैसे प्रचार करें, उसका प्रयास करें। याद कीजिए इन गांवों के घर आपके लिए कोई अलग गेस्ट हाउस नहीं था, होटल नहीं था। पूरा गांव एक प्रकार से मेहमानवाजी

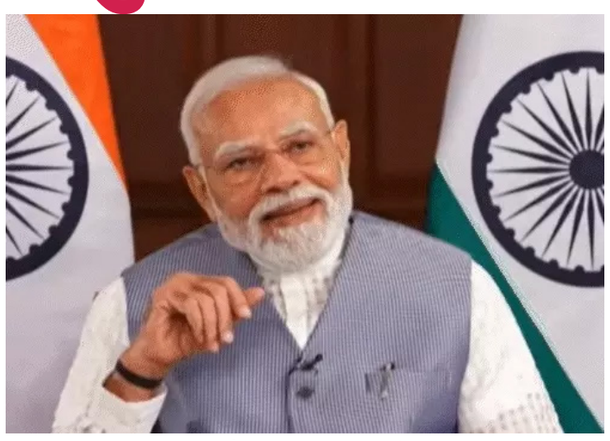

कर रहा था। आपका गांव में रहना ही आपकी ये मुलकात एक प्रकार से संस्कृति की पाठशाला बन गई।

जो अनुभव लिया वो किसी क्लासरूम में नहीं मिलेगा, जो आपने अनुभव किया उसे अन्य युवाओं से शेयर कीजिए। ज्यादा से ज्यादा युवा बॉर्डर गांव जाएं।

जितने लोग जाएंगे वे देश को देखेंगे देश को समझेंगे। लोगों के गांवों में जाने से वहां सुविधाएं भी तेजी से पहुंचेंगी। पीएम ने कहा- आपने अनुभव किया होगा बॉर्डर के गांवों का जीवन कितना कठिन होता है। फिर भी देशभक्ति को वे जीते हैं। कुछ सालों तक बॉर्डर के गावों को अंतिम गांव कहकर उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। वहां बेसिक सुविधा नहीं थी।

संभव है आपने अनेक कहानियां वहां के लोगों से सुनी होंगी। हमने ऐसी परिस्थिति में बॉर्डर गांवों के लोगों की देशभक्ति कमजोर नहीं पड़ी।

हमारी सरकार ने इन गांवों को देश का प्रथम गांव माना। वे गांव जहां सूरज की पहली किरण भारत का अभिवादन करती है। जहां आखिरी किरण गुड नाइट कहती है। जहां से दुनिया भारत को पहली बार देखती है। विकसित गांव विकसित भारत की आधारशिला है। यह यात्रा लगातार चल रही है। इसमें आप युवा साथियों कीद बड़ी भमिका है। जब देश का युवा जमीन से जुड़ता है तो विकसित भारत के विजन को और बड़ा मन बनाता है। यह युवाओं को देश के लिए जीने की भावना को और मजबूती देता है। संवाद के दौरान जब आप सभी अपनी यात्रा के अनुभव बता रहे थे, तब मुझे पुरानी यादें ताजा हो रहीं थीं। मेरी तरह आप सभी का अनुभव भी शांत रहा। किसी ने पर्वतों को देखा, किसी ने कल्चर देखा। संयोग से आज कारगिल विजय दिवस भी है। आपने कारगिल के आसपास के क्षेत्र को देखा। वहां कितनी चुनौतीपूर्ण स्थिति में उन्होंने जीत हसिल की थी, यह भी आपने देखा। प्रधानमंत्री ने कहा- विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम मेरे लिए खास इसलिए भी है कि जब मैं राजनीति से दूर था, तब मैं बॉर्डर इलाकों में रहा हूं। कई गांवों से लंबे समय तक संपर्क रहा।

राजनाथ बोले-भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा, पाकिस्तान घुसपैठ के :अगर वह रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं तैयार

रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

»नई दिल्ली

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है।

साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

भारत की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है। पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) पर होगी, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है और जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। कारगिल वॉर मेमोरियल में पूरा भारत दिखाई देता है। यहां शहीदों में हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, तमिलनाडु समेत देश के हर हिस्से के जवानों के नाम दर्ज हैं।

शहीदों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जाने वाले सभी धर्मों के लोग शामिल हैं। जो लोग देश को बांटने का सपना देखते हैं, उन्हें इस स्मारक की दीवार को देखना चाहिए। यह दीवार ही भारत को बांटने की उनकी सोच का सबसे बड़ा जवाब है।

कारगिल युद्ध केवल भारत की सैन्य और कूटनीतिक जीत नहीं था, बल्कि वह ऐतिहासिक क्षण था जब पूरी दुनिया ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता को देखा। भारतीय सैनिकों ने अपने शौर्य से ऐसा इतिहास रचा, जो हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। भारत अंतरिक्ष में सैटेलाइट भेज रहा है तो पाकिस्तान आज भी आतंकवादियों को सीमा पार भेजने का काम कर रहा है। भारत दुनिया को सॉफ्टवेयर दे रहा है तो पाकिस्तान दुनिया को स्लीपर सेल दे रहा है। भारत डेटा सेंटर बना रहा है तो पाकिस्तान रेडिकल सेंटर बना रहा है। भारत AI से दुनिया को जोड़ रहा है तो पाकिस्तान हवाला से आतंकवाद जोड़ रहा है। समाज की सीमाओं से ऊपर उठने की क्षमता ही सैनिकों की असली ताकत है और इसी ताकत के दम पर हम कारगिल जैसे युद्ध जीतते हैं। रक्षा मंत्री शनिवार को द्रास पहुंचे थे। यहां उन्होंने कारगिल वॉर मेमोरियल में आयोजित 'शौर्य संध्या' कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। यह कार्यक्रम कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय समारोह का हिस्सा है।

पीएम बोले- युवाओं ने देश का मान बढ़ाया :यंग इनोवेटर्स ने वो किया जो असंभव लगता था

मन की बात में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

»नई दिल्ली

पीएम मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले कारगिल विजय दिवस का जिक्र करते हुए वीर जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस ऐसी तारीख है, जिसे याद रखने के लिए दिन याद रखने की जरूरत नहीं होती।

पीएम ने देश के युवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा- हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हिस्सा लेते हैं। इस महीने फिजिक्स , कैमेस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ के ओलंपियाड हुए। इनमें भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री ने कहा- पिछले रविवार विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। हम सभी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के इस ऐतिहासिक पल को देखा। यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है। हमारे युवा इनोवेटर्स ने वह कर दिखाया, जो कभी लगभग असंभव लगता था। उन्होंने अपने असाधारण कौशल, जुनून और धैर्य का परिचय दिया। पीएम ने कहा- कुछ दिनों बाद देश नेशनल हैंडलूम डे मनाएगा। हाथ से बने उत्पाद देश के अलग-अलग हिस्सों के हुनर और मेहनत का प्रतीक हैं। आज पोचमपल्ली, पटना और कच्छ जैसे क्षेत्रों के हैंडलूम उत्पादों को नई पहचान मिल रही है।

मोदी ने कहा कि पिछले 12 सालों में खादी की लोकप्रियता काफी बढ़ी है और इसकी बिक्री छह गुना बढ़कर 8 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। उन्होंने लोगों से खादी खरीदने की अपील की। साथ ही त्रिपुरा के सूरज कुमार देव वर्मा का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने पारंपरिक चोंग पैंग वाद्य यंत्र और त्रिपुरा के अन्य लोक वाद्य यंत्रों को फिर से लोकप्रिय बनाने का काम किया है।

कार्यक्रम के अंत में मोदी ने कहा कि 27 जुलाई को भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि, इसी सप्ताह गुरु पूर्णिमा और कुछ ही सप्ताह बाद स्वतंत्रता दिवस है। उन्होंने कहा कि आजादी के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले लोगों को याद करना चाहिए और 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। साथ ही लोगों से भविष्य के 'मन की बात' कार्यक्रम के लिए सुझाव भेजते रहने की अपील भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 'मन की बात' में उन्होंने लोगों से मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं की पूजा करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि पीओपी और प्लास्टिक की मूर्तियों से बचना चाहिए। मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की पूजा करना प्रकृति की भी पूजा है। मोदी ने मणिपुर के वैज्ञानिक डॉ. रोनाल्डो मीनांशम का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने युवा आकाशगंगाओं (यंग गैलेक्सीज) की खोज की है।

12 साल में 116 पेपर लीक, 7.5 करोड़ बच्चे प्रभावित :19 राज्यों में पेपर माफिया

निशाने पर शिक्षक-पुलिस भर्तियां; नीट से सालों का गुस्सा फूटा

»नई दिल्ली

देश में पेपर लीक अब किसी एक परीक्षा या राज्य की समस्या नहीं रह गई है। यह पूरे देश में फैले एक बड़े संगठित नेटवर्क का रूप ले चुका है। 2014 से जुलाई 2026 तक मीडिया रिपोर्टों और सरकारी कार्रवाई के आधार पर कम से कम 116 पेपर लीक के मामले सामने आए हैं।

इन मामलों से करीब 7.5 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए और पेपर माफिया का नेटवर्क 19 राज्यों तक फैला मिला। 2014 से 2024 के बीच 89 मामले सामने आए थे।

इनमें 21 केंद्रीय संस्थानों और 68 राज्य स्तरीय परीक्षाओं से जुड़े थे। इसके बाद 2025 में 20 और 2026 में जुलाई तक नीट-यूजी समेत 7 पेपर लीक के मामले दर्ज किए गए। देशभर में जनवरी 2019 से जून 2024 के बीच 19 राज्यों में 65 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए। इनमें सरकारी भर्तियों से लेकर प्रवेश, बोर्ड और विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं शामिल हैं।

इन 65 मामलों में 45 सरकारी भर्ती परीक्षाओं से जुड़े थे। पेपर लीक के कारण कम से कम 27 परीक्षाएं रद्द या स्थगित करनी पड़ीं। इससे तीन लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती अटक गई। सबसे ज्यादा निशाने पर शिक्षक और पुलिस भर्ती परीक्षाएं रहीं। उत्तर प्रदेश 11 मामलों के साथ सबसे ऊपर रहा। मध्य प्रदेश और राजस्थान में नौ-नौ, महाराष्ट्र में छह और गुजरात में पांच मामले दर्ज हुए। केंद्र की एसएससी, केंद्रीय विद्यालय संगठन, यूपीएससी, सेना, ओएनजीसी और कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड जैसी आठ भर्ती परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। इससे भर्तियां दो से आठ महीने तक खिंचीं। 2025-26 में बोर्ड, भर्ती, पात्रता, विश्वविद्यालय और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं तक पेपर लीक जारी रहे। नीट पेपर लीक के बाद स्टूडेंट्स और युवाओं के अंदर भरा सालों का गुस्सा फूट पड़ा। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेतृत्व में इसके खिलाफ जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू हुआ। इसमें पेपर लीक के बाद 21 बच्चों के सुसाइड और शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा गया।

36 दिनों तक चले प्रदर्शन के बाद प्रधान ने 25 जुलाई को इस्तीफा दे दिया। गुढ़ागौड़जी (झुंझुनूं) राजस्थान के झुंझुनूं निवासी दिवंगत नीट अभ्यर्थी प्रदीप मेघवाल के माता-पिता राजेश मेघवाल और सुशीला देवी ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे का स्वागत किया।

पिता ने कहा कि अगर इस फैसले से भविष्य में किसी और छात्र की जान बचती है, तो यही उनके बेटे के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। मां सुशीला देवी ने कहा, अब ऐसी व्यवस्था बने कि किसी मां को अपने बेटे की तस्वीर के सामने रोना न पड़े।

'यह मेरे लिए एक नया विषय', शिक्षा मंत्री का पद संभालने के बाद बोले प्रल्हाद जोशी

»नई दिल्ली

प्रल्हाद जोशी ने रविवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद संभाल लिया है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई, जिसके एक दिन बाद उन्होंने पदभार ग्रहण किया।

पद संभालने के बाद, जोशी ने कहा कि वह मंत्रालय के कामकाज की समीक्षा कर रहे है और विभाग के बारे में जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने शिक्षा को अपने लिए एक नया विषय बताया।

पद संभालने के बाद, पत्रकारों से बात करते हुए जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है और वह मंत्रालय के बार में विस्तार से कुछ भी कहने से पहले उसे समझने के लिए समय लेंगे।

प्रल्हाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मुझ पर भरोसा जताते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। मैं कल कर्नाटक में था। मैं कल रात को यहां पहुंचा और आज सुबह पद संभालने आया। मैंनें पदभार ग्रहण कर लिया है। मैं यहां की सभी जानकारियों और लिए जाने वाले फैसलों की समीक्षा कर रहा हूं। मैं जानकारी इकठ्ठा कर रहा हूं और पूरे मंत्रालय के कामकाज को समझने की कोशिश कर रहा हूं। आज हमारी लगातार बैठक हुईं। यह मेरे लिए एक

नया विषय हैं। मैंने आज पद संभाला है और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की है। यह एक बहुत बड़ा विभाग है, इसलिए इसे पूरी तरह समझने के बाद ही मैं आपसे विस्तार से बात करूंगा। पद संभालने के तुरंत बाद, जोशी ने 'एक्स' पर एक संदेश साझा किया और शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने लिखा, आज मैंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। मुझ पर भरोसा जताने और मुझे यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं।' उन्होंने आगे कहा कि मैं इसे विनम्रता और कर्तव्य की गहरी भावना के साथ स्वीकार करता हूं।

पेपर लीक के खिलाफ कल नया बिल आ सकता है :जांच के लिए 2 महीने मिलेंगे

10 साल जेल और 50 लाख तक जुर्माने का प्रावधान

»नई दिल्ली

केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है। बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

बिल में अपील के लिए भी समय

सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी।

ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे 3 महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। अपील फैसले के 30 दिनों के भीतर करनी होगी, जिसे विशेष परिस्थितियों में 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है। लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 देश का पहला सेंट्रल एंटी-पेपर लीक कानून है। इसे 12 फरवरी 2024 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। 21 जून 2024 से पूरे देश में लागू किया गया है। इसका मकसद एंट्रेंस एग्जाम में पेपर लीक, नकल और परीक्षा घोटालों पर रोक लगाना है। इस कानून के तहत पेपर लीक करने वालों को 3 से 5 साल की जेल और 10 लाख तक का जुर्माने का प्रावधान है। अगर कोई गिरोह शामिल है तो उसके लिए 5 से 10 साल की जेल और एक करोड़ के जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। परीक्षा कराने वाली एजेंसी अगर पेपर लीक में दोषी हो तो उसके लिए एक करोड़ जुर्माना, परीक्षा की पूरी लागत वसूल करना और अगले 4 साल कोई परीक्षा न करवाने जैसी सजा शामिल है।

संपादकीय

संस्थागत बीमारी है पेपर लीक

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के कुछ हफ्ते पहले नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे समूह काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी को कुछ अहमियत तब मिली, जब लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अनशन प्रारंभ किया।

18 जुलाई को जब दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाकर भर्ती किया तो जंतर-मंतर पर भीड़ कुछ बढ़नी शुरू हुई। 20 जुलाई को संसद शुरू होने के दिन सीजेपी के संसद मार्च के पहले जंतर-मंतर पर अच्छी-खासी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने जब भीड़ को संसद की ओर जाने से रोका तो कुछ शरारती तत्वों ने उस पर पथराव करना और बैरिकेडिंग लांघना शुरू कर दिया।

पुलिस ने भीड़ को संसद की ओर जाने से रोकने के लिए जो सख्ती दिखाई, उसने यह बताया कि वह न तो भीड़ का अनुमान लगा सकी और न ही उससे निपटने के लिए ठोस रणनीति बना सकी। इस पर हैरानी नहीं कि उसकी सख्ती एक मुद्दा बन गई, लेकिन सच यह भी है कि भीड़ में कुछ तत्व पुलिस को निशाना बनाने की तैयारी से आए थे।

यह माहौल बनाना सही नहीं कि भीड़ ने कुछ नहीं किया और पुलिस ने बेवजह बल प्रयोग किया। आखिर घायलों में प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी भी हैं। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि अपने समर्थकों में कुछ अराजक तत्वों के घुस आने की बात सीजेपी प्रमुख ने भी मानी।

सीजेपी के संसद मार्च में हिंसा के बाद राजनीतिक दलों को सरकार के खिलाफ एक मुद्दा मिल गया और वे उसे भुनाने के लिए एक-दूसरे से होड़ में लग गए। कांग्रेस ने जब यह देखा कि सीजेपी को महत्ता मिल रही है तो राहुल गांधी अचानक प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना देने पहुंच गए। आम आदमी पार्टी को यह रास नहीं आया और उसने आपत्ति जताते हुए भाजपा-कांग्रेस में मिलीभगत का आरोप लगा दिया। साफ है विपक्ष का रवैया छात्र हित के बहाने अपनी राजनीति चमकाने वाला अधिक रहा।

अनशन तोड़ चुके सोनम वांगचुक को खारिज कर रही कांग्रेस इससे चिंतित दिखी कि कहीं सीजेपी को समर्थन देना उसके लिए राजनीतिक रूप से हानिकारक न हो जाए। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों की चिंता का एक कारण यह भी रहा कि नीट पेपर लीक मामले में उसके विरोध से अधिक महत्ता एक नए बने संगठन को मिल गई। यह उनकी चिंता का कारण बनना भी चाहिए, क्योंकि यह स्थिति जनता में उनके प्रति भरोसे की कमी को दिखाती है। विपक्षी दल धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र की घोषणा को अपनी जीत बता सकते हैं, लेकिन यह सीजेपी के बैनर तले आए छात्रों के दबाव का नतीजा अधिक है।

शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र के पहले प्रधानमंत्री ने पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने के साथ ही सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम को और कठोर बनाने का फैसला किया। सरकार नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के स्वजनों को मुआवजा देने समेत संसद मार्च में हिंसा के आरोपितों के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने की सीजेपी की मांग पर भी सहमत हो गई।

इसके बाद सीजेपी प्रदर्शन खत्म करने को तैयार हो गई, लेकिन यदि यह समझा जा रहा है कि शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र से परीक्षा के मोर्चे पर सब कुछ ठीक हो जाएगा तो यह सही नहीं, क्योंकि पेपर लीक एक संस्थागत बीमारी है। यह बीमारी केवल प्रतियोगी परीक्षाओं तक सीमित नहीं। अब तो शिक्षक ही पेपर लीक कराने में शामिल पाए जा रहे हैं। सब जानते हैं कि स्कूली परीक्षाओं में भी नकल होती है और इन परीक्षाओं के भी पेपर लीक किए और कराए जाते हैं।

नकल एक सामाजिक बुराई बन गई है। आज जो छात्र पेपर लीक मसले पर उग्र हैं, उनमें से अनेक यह जानते होंगे कि उनके कई साथी नकल करके पास होते रहे हैं। क्या सीजेपी यह मांग करेगी कि सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के दायरे में परीक्षाओं में नकल करने और कराने वाले भी लिए जाएं या फिर इसके लिए कोई नया कानून बनाया जाए?

सीजेपी के सदस्य और उनके समर्थक इससे अनजान नहीं हो सकते कि नकल कर पास होने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है? जो छात्र शुरू से धोखाधड़ी का सहारा लेकर पास होने का आदी रहा हो, वह प्रतियोगी परीक्षाओं में भी छल-कपट के सहारे पास होने की कोशिश करता है। कई बार तो अभिभावक और शिक्षक भी उनका साथ देते हैं। इसी कारण पेपर लीक का एक बाजार बन गया है। इसी बाजार के कारण पेपर लीक माफिया पैदा हो गया है, जिसमें कोचिंग चलाने वाले भी शामिल हैं। पेपर लीक माफिया परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े लोगों को पैसे देकर अपने साथ मिला लेता है।

इस बार तो उन शिक्षकों ने ही नीट के पेपर लीक कराए, जिनकी जिम्मेदारी इस परीक्षा की शुचिता बनाए रखने की थी। ऐसे में कहना कठिन है कि पेपर लीक संबंधी कानून को और कठोर करने भर से समस्या का समाधान हो जाएगा। समाधान के लिए तकनीक को अपनाया जाना चाहिए। आज के युग में पुराने तौर-तरीकों से परीक्षा कराने का औचित्य नहीं। तब तो और भी नहीं, जब तकनीक सुलभ है और वह कारगर भी साबित हो रही है।

पिछले कुछ वर्षों में इतनी अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं कि उनकी गिनती करना कठिन है। चूंकि कई केंद्रीय परीक्षाओं के साथ करीब-करीब सभी राज्यों की अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं, इसलिए राजनीतिक दल एक-दूसरे को कठघरे में खड़ाकर अपने कर्तव्य की इतिश्री नहीं कर सकते। उन्हें यह समझना होगा कि पेपर लीक समस्या का समाधान मिलकर करना होगा। उन्हें इस पर भी ध्यान देना होगा कि पेपर लीक का एक बड़ा कारण समाज का नैतिक पतन है और इस चारित्रिक पतन के लिए वे भी जिम्मेदार हैं।

यह नैतिक पतन ही परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक जैसी समस्याओं को जन्म दे रहा है। क्या किसी सरकार या फिर राजनीतिक दलों अथवा सीजेपी के पास इस नैतिक पतन को रोकने का कोई उपाय है? यदि पेपर लीक मामले में संसद में बहस होती है तो क्या इस नैतिक पतन पर भी कोई बहस होगी? जब तक नैतिक मूल्यों के ह्रास की तरफ ध्यान नहीं जाएगा, तब तक परीक्षाओं में नकल होती रहेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर भी लीक होते रहेंगे।

उपमुख्यमंत्री हर्षभाई संघवी की अध्यक्षता में कारगिल विजय दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित

मोटा वराछा के राम चौक में 100 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया गया

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

रविवार सुबह बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं एवं युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए इस ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण क्षण का साक्षी बनने पर बधाई दी।

ध्वजारोहण के पश्चात श्री हर्षभाई संघवी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने अखंड भारत के शिल्पी सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया तथा भारत के वीर शहीदों को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने "आइए, हम सभी मिलकर अपने राम चौक पर तिरंगे की शान को और ऊंचा करें तथा भारत माता के गौरव को बढ़ाएं" का संकल्प लेते हुए राष्ट्रप्रेम का अनूठा संदेश दिया।

इस ऐतिहासिक एवं राष्ट्रगौरव से परिपूर्ण कार्यक्रम में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रफुल पानसेरिया, विधायक श्री मुकेशभाई पटेल, एल. एच. झाला, राजदीपसिंह नकुम, कंजीभाई भालाला तथा मोटा वराछा स्थित सुदामा चैरिटेबल ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भारी बारिश और बाढ़ के बाद जनजीवन सामान्य बनाने के लिए सूरत मनपा की व्यापक मुहिम

बारिश का पानी उतरते ही वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मनपा की टीमों ने सड़कों की त्वरित सफाई, कचरा निष्पादन, स्क्रैपिंग एवं GSB फिलिंग का कार्य तेज किया

उधना ज़ोन के प्रभावित क्षेत्रों में GRAB BUCKET मशीन की सहायता से स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज की गहन सफाई कर जल प्रवाह को पुनः सुचारु किया गया

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

सूरत शहर में भारी वर्षा एवं बाढ़ के बाद जनजीवन को पुनः सामान्य बनाने के लिए सूरत महानगरपालिका द्वारा युद्धस्तर पर समन्वित राहत एवं सफाई अभियान चलाया जा रहा है। वर्षा का पानी उतरने के बाद मैनुअल टीमों तथा आधुनिक मशीनों की सहायता से सड़कों, सार्वजनिक स्थलों एवं प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है, ताकि शहर को शीघ्र सामान्य स्थिति में लाया जा सके।

वाहन चालकों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सड़कों की त्वरित सफाई, स्क्रैपिंग, GSB फिलिंग तथा कचरा हटाने का कार्य लगातार जारी है। भरत कैंसर हॉस्पिटल रोड, सारोली गांव, सनिया गांव तथा मीठी खाड़ी क्षेत्र में पानी उतरते ही कीचड़ हटाने, सफाई करने और सड़कों को आवागमन योग्य बनाने की कार्रवाई तत्काल शुरू कर दी गई।

उधना ज़ोन के प्रभावित क्षेत्रों में GRAB BUCKET मशीन की सहायता से स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज की गहन सफाई कर जल निकासी को सुचारु बनाया गया। जल निकासी में किसी प्रकार की बाधा न रहे, इसके लिए स्टॉर्म ड्रेनेज की जालियों की भी तत्काल सफाई कराई गई।

लिंबायत ज़ोन के डुंभाल फायर स्टेशन क्षेत्र तथा मीठी खाड़ी इलाके का नगर आयुक्त श्री एम. नागराजन ने स्वयं निरीक्षण कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को वर्षा जल की शीघ्र निकासी, व्यापक सफाई अभियान को युद्धस्तर पर पूरा करने और नागरिकों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के आवश्यक निर्देश दिए।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों की सफाई, ब्रशिंग, कीटनाशक पाउडर एवं दवाओं के छिड़काव का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, जिससे संक्रामक रोगों की रोकथाम के साथ नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को सुरक्षित रूप से SMC के राहत केंद्रों में स्थानांतरित किया गया है, जहां भोजन, स्वच्छ पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही मेडिकल टीमों द्वारा लगातार स्वास्थ्य परीक्षण एवं निगरानी की जा रही है।

कारगिल विजय के शौर्य को सलाम : सूरत में कारगिल विजय उत्सव एवं वार्षिक सैनिक सम्मेलन आयोजित

»ब्यूरो रिपोर्ट : जे. बी. टांक, पत्रकार, गुजरात

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर श्री सूरत जिला माजी सैनिक सेवा मंडल द्वारा "कारगिल विजय उत्सव एवं वार्षिक सैनिक सम्मेलन" का आयोजन सूरत जिला कलेक्टर श्री तेजस परमार की अध्यक्षता में अमीधारा वाड़ी में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, सैनिक परिवारों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा शहर के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रसेवा में विशिष्ट योगदान देने वाले पूर्व सैनिकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बनाते हुए कंट्री साइड इंटरनेशनल स्कूल एवं प्रेसिडेंसी स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि कारगिल विजय केवल एक सैन्य जीत नहीं, बल्कि भारतीय सैनिकों के अदम्य मनोबल, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाने का आह्वान किया। श्री सूरत जिला माजी सैनिक सेवा मंडल द्वारा पूर्व सैनिकों के कल्याण, उनके परिवारों के हितों की रक्षा तथा समाज में राष्ट्रभावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से निरंतर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

कार्यक्रम के अंत में आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले अतिथियों, दानदाताओं, सहयोगी संस्थाओं, स्वयंसेवकों तथा उपस्थित सभी पूर्व सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

ईरान पर सबसे बड़े हमले से पीछे हटे ट्रम्प:सेना को कार्रवाई रोकने का आदेश; अधिकारियों की चेतावनी- देश में पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी

»वॉशिंगटन डीसी/तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर सबसे बड़े हमले को फिलहाल रोक दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने सेना को नए बड़े हमले रोकने का आदेश दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है।

जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने सलाह दी कि बड़े अभियान से मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के अंत तक अमेरिका 1200 से ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें इस्तेमाल कर चुका था।

एक्सियोस के मुताबिक, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले रोकने का फैसला अस्थायी है या लंबे समय तक लागू रहेगा। हालांकि, जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना बड़े सैन्य अभियान के लिए तैयार रहेगी। होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइन से टकराकर तेल टैंकर में विस्फोट हो गया है। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, यह टैंकर तेहरान की ओर से तय किए गए समुद्री मार्ग से अलग रास्ते से जा रहा था, जिसके बाद वह बारूदी सुरंग से टकरा गया।

ईरान पहले भी कई बार चेतावनी दे चुका था कि अगर कोई जहाज उसकी ओर से तय किए गए मार्ग से हटकर चलेगा, तो उसके परिणाम की जिम्मेदारी उसी की होगी।

फिलहाल इस घटना पर ईरानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। नुकसान या हताहतों को लेकर भी अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने रविवार को उत्तर-पश्चिमी अल-जौफ प्रांत में सऊदी अरब से जुड़े एक तुर्किये निर्मित टोही ड्रोन को मार गिराया।

हूती संगठन के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि उनके लड़ाकों ने सऊदी दुश्मन का ड्रोन उस समय गिराया, जब वह दुश्मनी वाली गतिविधियां अंजाम दे रहा था। ईरान ने कहा कि अमेरिका की ओर से दो रात तक कोई हमला नहीं होने के बाद उसने भी खाड़ी देशों और क्षेत्र में अमेरिकी हितों पर अपनी जवाबी कार्रवाई रोक दी है।

AFP के मुताबिक, ईरानी सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरामिनिया ने कहा, 'हमारी रणनीति हमेशा जवाबी कार्रवाई की रही है।

सीडब्ल्यूजी 2026:

जादुमनी का दमदार आगाज

5-0 से जीत दर्ज कर बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

ग्लास्गो, एजेंसी। भारत के बॉक्सर जादुमनी सिंह मंडेन्गबाम ने कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का आगाज दमदार प्रदर्शन के साथ किया है। जादुमनी ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड के एरन कलन को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। ग्लासगो के एसईसी हॉल में खेले गए इस मुकाबले में जादुमनी शुरू से आखिर तक विपक्षी बॉक्सर पर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने तेज पंच, सटीक निशाने और मजबूत डिफेंस के दम पर अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरे मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सभी पांच जजों ने हर राउंड में जादुमनी को विजेता माना और उन्हें 30-27 का एक जैसा स्कोर दिया।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद स्कॉटलैंड के एरन कलन भारतीय खिलाड़ी की गति और रणनीति के आगे बेबस नजर आए।

भारतीय बॉक्सर के एक के बाद एक पंचों का एरन कलन के पास कोई जवाब नहीं था। इस जीत के साथ जादुमनी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए हैं। अब 26 जुलाई को उनका मुकाबला पाकिस्तान के रहमान से होगा। जादुमनी अगर पाकिस्तानी बॉक्सर के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहते हैं, तो वह क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लेंगे। जादुमनी को भारत की ओर से पदक का बड़ा उम्मीदवार माना जा रहा है।

जादुमनी की इस जीत से भारतीय बॉक्सिंग टीम ने प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की है। भारतीय दल इस बार ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरा है। हालांकि, ग्लासगो में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इस बार बैडमिंटन, रेसलिंग, हॉकी, क्रिकेट और शूटिंग को शामिल नहीं किया गया है। इन खेलों में पिछले बार भारत ने कई पदक अपने नाम किए थे। इससे पहले, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने बिना रिंग में उतरे ही बॉक्सिंग में भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया था, क्योंकि उन्हें पहले राउंड में 'बाय' मिला और वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गईं। नियमों के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में हार के बावजूद खिलाड़ी को कांस्य पदक दिया जाता है। लवलीना 31 जुलाई को पहली बार रिंग में नजर आएंगी और उनका मुकाबला टाफाकी से होगा। लवलीना अगर टाफाकी के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहती हैं, तो उनका कम से कम रजत पदक पक्का हो जाएगा।

FIH Youth Hockeyzs:

भारतीय टीम का गदर, पाकिस्तान को 7-3 से धोया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान के मस्कट में खेली जा रही FIH यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने 24 जुलाई को अपना दबदबा कायम रखा. भारत ने एक ही दिन में दो बड़ी जीत दर्ज कीं, जहां उसने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराने से पहले मेजबान ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी.

दिन के सबसे हाई-वोल्टेज मुकाबले में कप्तान केतन कुशवाहा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया. हाफ-

टाइम तक रोमित पाल, करन गौतम और कप्तान केतन के गोलों की बदौलत भारत 3-0 से आगे रहा. फिर दूसरे हाफ में प्रहलाद राजभर, शाहरुख अली, राहुल यादव और केतन के गोलों ने भारत की 7-3 से जीत पक्की कर दी.

विराट कोहली से मेरा कोई झगड़ा नहीं...

- ट्रेविस हेड ने IPL विवाद पर पहली बार तोड़ी चुप्पी, ट्रोलिंग पर भी छलका दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली के साथ विवाद और उसके बाद हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर पहली बार खुलकर अपनी बात रखी है. हेड ने उन सभी अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के बाद उनके और विराट कोहली के रिश्तों में खटास आ गई थी. दरअसल, मैच खत्म होने के बाद कैमरे में एक ऐसा दृश्य कैद हुआ था, जिसमें देखा गया कि विराट कोहली ने ट्रेविस हेड से हाथ नहीं मिलाया. इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों खिलाड़ियों के बीच मनमुटाव की खबरें तेजी से फैल गईं. हालांकि अब हेड ने खुद इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है. कोड स्पोर्ट्स से बातचीत में ट्रैहेड ने कहा कि विराट कोहली के साथ उनके रिश्ते सामान्य हैं और किसी तरह के विवाद की बात पूरी तरह बेबुनियाद है. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि पैच-अप करने जैसा कुछ है. ऐसी कोई बात ही नहीं है. टूर्नामेंट जैसा चला, वैसा ही सब कुछ हुआ. इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं थी.' हेड के इस बयान के बाद विराट और उनके बीच विवाद की सभी अटकलों पर विराम लग गया है. हेड ने बताया कि मैदान पर होने वाली घटनाओं को वह एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर संभाल लेते हैं, लेकिन जब सोशल मीडिया पर उनके परिवार को निशाना बनाया गया तो स्थिति काफी अलग हो गई.

ट्रेविस हेड का दर्द छलक पड़ा

उन्होंने कहा, 'जेसिका और मैं चीजों को सही नजरिए से देखते हैं. हम जानते हैं कि यह उसी दुनिया का हिस्सा है, जिसमें हम रहते हैं. लेकिन असली परेशानी तब हुई, जब मामला परिवार के दूसरे सदस्यों तक पहुंच गया. वे लोग ऐसी चीजें देखने के आदी नहीं हैं.' विवाद के दौरान ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका हेड को भी सोशल मीडिया पर कई आपत्तिजनक संदेश मिले थे. ट्रेविस हेड ने कहा कि उनकी पत्नी ने पूरे मामले को बेहद परिपक्वता के साथ संभाला. उन्होंने कहा, 'कुछ दिनों बाद लोग सब भूल जाते हैं. जेसिका ने इस पूरे मामले को शानदार तरीके से संभाला. असली चुनौती यह होती है कि परिवार के बाकी लोग इन चीजों को किस तरह लेते हैं.'

हेड ने साफ संकेत दिया कि खिलाड़ियों की आलोचना खेल का हिस्सा हो सकती है, लेकिन उनके परिवार को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना सही नहीं है.

सीडब्ल्यूजी: डे-2

भारत को पहला पदक, झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य

ग्लास्गो, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन भारत को पहला पदक मिला। झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीता। अन्य खेलों में देश के खिलाड़ियों का हाल कैसा रहा? पैरा तैराकी समेत अन्य खेलों में किन भारतीय खिलाड़ियों ने कैसा प्रदर्शन किया? कौन नजदीकी अंतर से पदक से चूक गए? राष्ट्रमंडल खेल 2026 का दूसरा दिन फिलहाल जारी है। पैरा तैराकी और पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को निराशा मिली है।

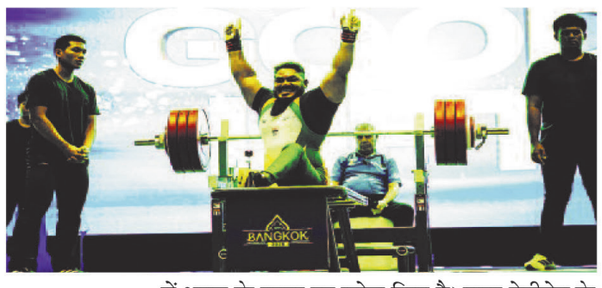

पुरुष और महिला दोनों वर्ग में भारत पदक लाने के करीब था, लेकिन अंत में पिछड़ गया। वहीं, पैरा तैराकी में बुडिगिना काफी करीब से कांस्य अपने नाम नहीं कर सके। आइए जानते हैं राष्ट्रमंडल खेल के दूसरे दिन क्या-क्या हुआ? ग्लास्गो में भारत को पहला पदक किसने दिलाया? पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पदक का खोल दिया है। पुरुष हेवीवेट के फाइनल में झंडू ने 130.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। झंडू ग्रुप बी में शीर्ष पर थे और एक समय स्वर्ण पदक जीतने के करीब थे, लेकिन नाइजीरिया के रिलुवान इदरिस और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने उन्हें तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इदरिस ने 132.8 अंकों के साथ स्वर्ण और हार्डिंग ने 131 अंक के साथ रजत अपने नाम किया। भारत के एक अन्य पैरा पावरलिफ्टर सुधीर 114.1 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे।

'माइकल फेल्प्स', चाड ले क्लोस बने इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट

ग्लास्गो, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तैराक चाड ले क्लोस कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट बन गए हैं। ग्लास्गो में हो रहे गेम्स के दूसरे दिन पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में अपनी टीम के साथ मिलकर उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। 34 साल के क्लोस ने 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स डेब्यू किया था। वह 5वीं बार गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलंपिक में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अमेरिका के दिग्गज स्विमर माइकल फेल्प्स के नाम है।

चाड ले क्लोस के 19 मेडल हुए

ब्रॉज मेडल के साथ ही चाड ले क्लोस के करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स पदकों की संख्या 19 हो गई है। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के माइक गॉल्ट को पीछे छोड़ दिया है। दोनों ने ही 19-19 मेडल जीते थे। रिकॉर्ड बनाने के बाद भावुक ले क्लोस ने कहा- मुझे ब्रॉन्ज मेडल पर नहीं गोल्ड मेडल पर रोना चाहिए था, लेकिन सच कहूं तो यह उपलब्धि मेरे लिए दुनिया के बराबर है।

निकोलस ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला। इस मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। निराशाजनक नतीजे के बावजूद, ओटामेंडी ने कहा कि उन्हें टीम की कोशिश पर गर्व है। 'किस्मत को यही मंजूर था कि मेरा आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल हो। नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस ग्रुप ने आखिरी सेकंड तक कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं इस सुकून के साथ विदा ले रहा हूं कि मैंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया। मैंने कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी, कभी भरोसा नहीं खोया और हमेशा यही महसूस किया कि यह जर्सी मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान थी। '

वेस्टइंडीज की टीम में इस 'मिस्ट्री स्पिनर' की एंट्री

पाकिस्तानी बैटर्स की उड़ेगी नींद!

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी. यह सीरीज 25 जुलाई से 6 अगस्त तक खेली जाएगी और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी. ऐसे में दोनों टीमों के लिए ये सीरीज काफी अहम है. श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम के अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है. अनुभवी ऑलराउंडर रोस्टन चेज विंडीज की टीम की कमान संभालते रहेंगे. उधर बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशप को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है. 26 साल के बिशप का घरेलू रिकॉर्ड काफी शानदार रहा है. उन्होंने सिर्फ 25 फर्स्ट क्लास मैचों में 23.90 की औसत से 116 विकेट झटके हैं. वहीं उन्होंने फर्स्ट क्लास मैचों में 30.76 के एवरेज से 1046 रन बनाए हैं. बिशप ने 54 लिस्ट-ए मैचों में 79 और 16 टी20 मुकाबलों में 12 विकेट भी चटकाए हैं.

मैकेंजी की टीम में वापसी: 25 वर्षीय ओपनिंग बल्लेबाज किर्क मैकेंजी की टेस्ट टीम में वापसी हुई है. उन्होंने आखिरी टेस्ट 2024 में इंग्लैंड दौरे पर खेला था .मैकेंजी ने वेस्टइंडीज चैंपियनशिप के हालिया सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने छह पारियों में 323 रन बनाए और उनका औसत 64.60 रहा. शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने टीम में वापसी की है.

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का दिल्ली में आयोजन!

- तारीखों में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि सितंबर में वह नई दिल्ली में भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की मेजबानी के लिए तैयार है। हालांकि, बांग्लादेश और भारत के बीच सीरीज पर अभी असमंजस जारी है।

फिलहाल अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में होने वाली सीरीज की तारीखें 13, 15 और 17 सितंबर बताई गई हैं। मगर भारत और बांग्लादेश सीरीज के चलते इसकी तारीखें बदल सकती

हैं, मगर सीरीज होना पक्का है। आपको बता दें कि रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच छह मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज (तीन टी20 और तीन वनडे) की उम्मीदें अभी बरकरार हैं। शुक्रवार को यह खबर सामने आई है कि भारतीय सरकार ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 18वें BRICS सम्मेलन (जो सितंबर में होना है) के लिए आमंत्रित किया है।

इसके बाद उम्मीदें हैं कि दोनों क्रिकेट बोर्ड और सरकारों के बीच संबंध फिर पुराने जैसे हो जाएंगे। जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि वह भारत के खिलाफ 1 से 13 सितंबर तक सीरीज की मेजबानी कर सकती है। इसी कारण भारत और अफगानिस्तान सीरीज की तारीखें थोड़ी बदल सकती हैं। क्रिकबज ने पहले इस बात की जानकारी दी थी कि बांग्लादेश बोर्ड के द्वारा मीडिया राइट्स के लिए अभी EoI दस्तावेज नहीं जारी किए गए हैं। पहले सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों के कारण भारत के बांग्लादेश को आगे बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई थी।

फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है। रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

उन्होंने लिखा है, 'एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है'।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी।

खुद को बार-बार बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती

सिंगर-गीतकार के रूप में की नई शुरुआत

हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री टिया बाजपेयी इन दिनों अपने नए म्यूजिक सिंगल 'नंबर 1' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में उन्होंने सिर्फ अभिनय नहीं किया, बल्कि इसके बोल भी खुद लिखे हैं। टिया का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि इसके जरिए वह एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में दर्शकों के सामने आई हैं।

टिया बाजपेयी ने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मेरे लिए कलाकार होने का मतलब कभी सिर्फ एक ही क्षेत्र तक सीमित रहना नहीं रहा। अभिनय और संगीत, दोनों ही मेरे दिल के बेहद करीब हैं। 'नंबर 1' के जरिए मुझे पहली बार इन दोनों चीजों को एक साथ जोड़ने का मौका मिला। इस गाने के बोल लिखना और फिर उसी पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर परफॉर्म करना बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।''

उन्होंने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए खुद को नए रूप में पेश करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। मैं खुश हूं कि अब दर्शक मुझे एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में देख रहे हैं। उम्मीद है कि वे मेरे नए रूप को भी उतना ही पसंद करेंगे, जितना अब तक मेरे काम को करते आए हैं।'' टिया ने गाने की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''रेगिस्तान में शूटिंग के दौरान मेरी फरारी रेत में फंस गई थी। प्रोडक्शन टीम मेरी ही फरारी का इस्तेमाल शूटिंग के लिए कर रही थी, इसलिए उसे बाहर निकालना जरूरी था। करीब नौ लोगों ने मिलकर कार को धक्का लगाया, तब जाकर वह रेत से बाहर निकली। शायद पहली बार किसी फरारी का इस्तेमाल प्रोडक्शन कार और मेरी निजी वॉर्डरोब कार के रूप में किया गया।'' 'नंबर 1' टिया बाजपेयी का पहला ऐसा म्यूजिक वीडियो है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आ रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय, गायकी और गीत लेखन के सफर में नया कदम माना जा रहा है।

सामंथा ने करण जौहर को बताया 'नाखुश शादियों' की वजह

सामंथा रुथ प्रभु जब फिल्ममेकर करण जौहर के मशहूर शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 7 में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने करण को लेकर एक मजेदार लेकिन तीखी बात कही। शो में उनके साथ बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार भी मौजूद थे। सामंथा ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' से मजाक में कहा कि देश में होने वाली कई नाखुश शादियों के जिम्मेदार कहीं न कहीं वही हैं। सामंथा ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि करण ने अपनी फिल्मों में शादी, महंगे लहंगे और गानों को इतने शानदार तरीके से दिखाया है कि लोगों की उम्मीदें हकीकत से बहुत दूर हो गई हैं। सामंथा ने कहा, 'बचपन से ही आपने लोगों को दिखाया है कि जिंदगी 'कभी खुशी कभी गम' जैसी खूबसूरत होती है, जबकि असल जिंदगी 'केजीएफ' जैसी मुश्किलों से भरी होती है।'

कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है।' भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, 'जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है।' एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक बहुत अच्छी बात कहूंगा, 'लाख बुराइयां सबमें होती हैं। कोई भी इंसान कमियों से परे नहीं होता। ऐसा कोई बाग दिखा दीजिए जहां गुलाब में कांटे न हों। यह हर जगह होता है। बस कुछ चीजें अधिक दिखाई जाती हैं, इसलिए लोगों को लगने लगता है कि वहां बस वही सब है।'

भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक निरहुआ ने कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है, जिनमें 'निरहुआ रिक्शावाला', 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'बॉर्डर', 'सिपाही', 'जिगरवाला' और 'निरहुआ चलल लंदन' शामिल हैं। खासकर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। भोजपुरी फिल्मों के अलावा इस एक्टर ने हिंदी एंटरटेनमेंट की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्हें ओटीटी सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 में देखा गया, जिसमें दर्शकों ने उनके काम को काफी पसंद किया। दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने ही इस शो की खूब तारीफ की। इस शो में अमोल पाराशर, विनय पाठक और आकांक्षा रंजन भी अहम भूमिकाओं में थे।

जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं कृति सेनन, हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' ने बदली सोच

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया।

कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

सेफ नहीं चलना

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक

टीवी अभिनेत्री जयति भाटिया लंबे समय से छोटे पर्दे पर दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन नकारात्मक भूमिकाओं में उनकी पहचान सबसे ज्यादा मजबूत रही है। इन दिनों वह टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

पर्दे पर खलनायिका का किरदार निभाना जितना आसान दिखाई देता है, असल में उसे घंटों तक जीना किसी कलाकार के लिए बड़ी चुनौती है। जयति भाटिया ने इसी अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निगेटिव है। अभिनेत्री ने बताया कि कहानी में जैसे-जैसे नए मोड़ आते गए, वैसे-वैसे शारदा का नकारात्मक पक्ष भी मजबूत होता गया। ऐसे में रोजाना 12 से 14 घंटे तक उसी सोच और भावनाओं के साथ काम करना एक बड़ी चुनौती बन गया।

उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से इस किरदार को निभाना मेरे अभिनय सफर का बेहद खास हिस्सा रहा है। हर नए एपिसोड और हर नए ट्रैक के साथ शारदा का स्वभाव और ज्यादा चालाक, साजिश करने वाला और नकारात्मक होता गया। ऐसे में हर दिन 12 से 14 घंटे तक उसी मानसिक स्थिति में बने रहना आसान नहीं होता। इस किरदार ने मेरे अभिनय के स्तर को काफी मजबूत बनाया है और हर दिन कुछ नया सीखने का मौका दिया है।''

अभिनेत्री ने साफ किया कि वह शूटिंग खत्म होने के बाद खुद को किरदार से पूरी तरह अलग कर लेती हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे ही पैकअप होता है, मैं शारदा को सेट पर ही छोड़ देती हूं और फिर दोबारा जयति बन जाती हूं। मेरे लिए यह जरूरी है, ताकि मैं अपनी निजी जिंदगी को इस किरदार से प्रभावित न होने दूं। अगर कलाकार ऐसा न करे तो लगातार नकारात्मक किरदार निभाना मानसिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है।''

असली जिंदगी में मैं ऐसी नहीं हूं

सेट पर सभी कलाकार अच्छी तरह जानते हैं कि शारदा सिर्फ किरदार है, असली जिंदगी में मैं ऐसी बिल्कुल नहीं हूं। कैमरे के पीछे हम सभी साथ बैठकर हंसते हैं, बातें करते हैं और अच्छा समय बिताते हैं। इस माहौल की वजह से मुझे अपने किरदार के तनाव से बाहर आने में भी काफी मदद मिलती है।'' अभिनेत्री ने दर्शकों की प्रतिक्रिया पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''जब दर्शक शारदा पर गुस्सा होते हैं या उसके कामों की आलोचना करते हैं, तो मैं इसे अपनी तारीफ मानती हूं। इसका मतलब है कि उन्होंने मुझे इस किरदार में पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। मैं ऐसी प्रतिक्रियाओं को कभी व्यक्तिगत तौर पर नहीं लेती। बल्कि यही बातें मुझे शारदा के किरदार को और ज्यादा सच्चाई और मजबूती के साथ निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। मेरे लिए एक मजबूत नकारात्मक किरदार निभाने का यही सबसे बड़ा इनाम है।''

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR